रैनसमवेयर (RANSOMWARE)

DIGI PAGE

Subject - Computer

Date of Release -25-JAN-2018

रैनसमवेयर एक प्रकार का दुर्भावनापूर्ण फिरौती मांगने वाला सॉफ़्टवेयर है। इसे इस तरह से बनाया जाता है कि वह किसी भी कंप्यूटर सिस्टम के सभी फाइलों को इनक्रिप्ट कर दे। जैसे ही सॉफ्टवेयर इन फाइलों को इनक्रिप्ट कर देता है, वैसे ही वह फिरौती मांगने लगता है और धमकी देता है कि यदि उतनी राशि नहीं चुकाई तो वह कंप्यूटर के सभी फाइलों को बर्बाद कर देगा। इसके बाद इन फाइलों तक कंप्यूटर उपयोगकर्ता तब तक देख या उपयोग नहीं कर सकता जब तक वह फिरौती में मांगी गई राशि का भुगतान न कर दे।

खास बात यह है कि इसमें फिरौती की रकम चुकाने हेतु समयसीमा निर्धारित की जाती है और यदि कोई समय से पैसा नहीं चुकाता तो उसके लिए फिरौती की रकम बढ़ जाती है।

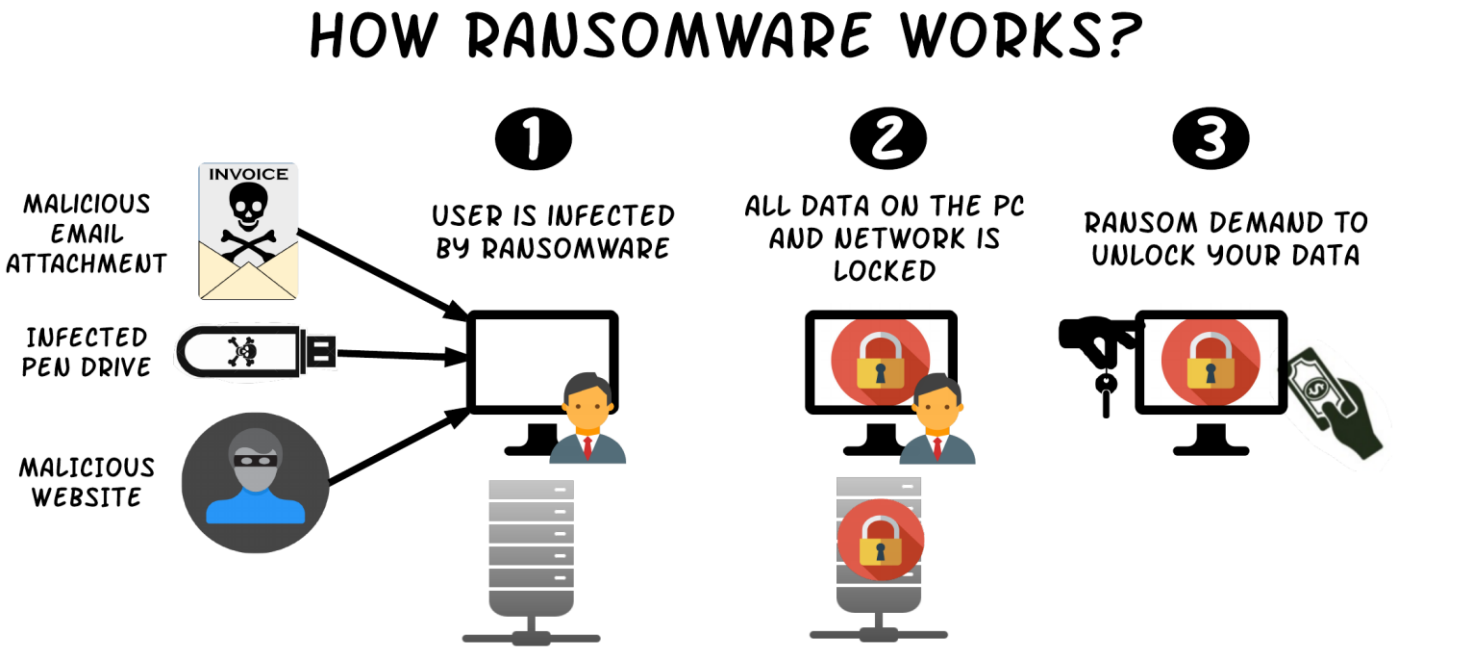

इस तरह के सॉफ्टवेयर की अवधारणा का आविष्कार और इसे पूर्ण करने का कार्य यंग और यूंग ने कोलंबिया विश्वविद्यालय में किया था। उन लोगों ने इसे आईईईई सुरक्षा और गोपनीयता सम्मेलन में 1996 में प्रस्तुत किया था। इसे क्रिप्टोवाइरल फिरौती कहा जाता है। पीसी पर रैनसमवेयर की घटना प्रसिद्ध होने के बाद ही अब मोबाइल को लक्षित किया जा रहा है। आमतौर पर मोबाइल में रैनसमवेयर किसी डाटा को इनक्रिप्ट नहीं करता है, क्योंकि कोई भी मोबाइल के सभी आवश्यक डाटा को सिंक के जरिये आसानी से वापस पा सकता है। इस कारण इसमें एक तरह के ब्लॉक करने की तकनीक का उपयोग किया जाता है, जिससे कोई मोबाइल का उपयोग न कर सके। इस तरह के मोबाइल रैनसमवेयर मुख्यतः एंडरोइड फोन को अपना शिकार बनाता है, क्योंकि इसमें कोई भी आसानी से दूसरे अनजान स्रोत से एप डाउनलोड और स्थापित कर सकता है। इसके लिए इसमें .apk फ़ाइल का उपयोग होता है, जो किसी अन्य तरह से उपयोग करने वाले द्वारा डाला जाता है कि उसे पता भी न चले कि इसमें कोई रैनसमवेयर जैसा कुछ है।